SARDAR PATEL UNIVERSITY
FACULTY OF ARTS
M.A (HINDI) EXTERNAL PROGRAMME
M.A PREVIOUS (PART-I)
(WITH EFFECT FROM: JUNE 2018)
STRUCTURE AND SYLLABUS BASED ON UGC GUIDELINES M.A. HINDI-EXTERNAL

Course Type	Course Code	Course Title	Exam Duration in Hrs.	Theory	Passing/ Total
Core Courses-3	MAPEHIN401	मध्यकालीन काव्य (भक्तिकाव्य, रीतिकाव्य)	03	Theory	40/100
	MAPEHIN402	आधुनिक गद्य साहित्य ,कथा साहित्य - जीवनी ,निबंध ,नाटक	03	Theory	40/100
	MAPEHIN403	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा	03	Theory	40/100
Elective Courses-2	MAPEHIN404	दृश्य श्राव्य माध्यम लेखनः इतिहास,संचार मध्यम और टी.वी	03	Theory	40/100
	MAPEHIN405	लोक साहित्य	03	Theory	40/100
Total					**200/500**

Note:- MA = Master of Arts, P = Previous(Part-I), E = External, HIN = Subject, 401 = e.g Course Paper Number.

CORE COURSE SUBJECT	HINDI	M.A. PREVIOUS (PART-I) EXTERNAL
MAPEHIN401	मध्यकालीन काव्य (रीतिकाव्य ,भक्तिकाव्य)	

Unit	Description in detail
1	○ **कबीर (सं.माताप्रसाद गुप्त)** ○ कबीर कृतित्व, ○ कबीर की गुरु महिमा का महत्व, कबीर की प्रेम भक्ति, ○ कबीर का समाज दर्शन,निर्गुण काव्य परम्परा और कबीर, ○ व्याख्या,साखियाँ, ○ गुरु महिमा कौ अंगः १,३,४,६,७,८,९,१०,११,१२,१४,२८,३३,३४,३५, ○ सुमिरन कौ अंग- ८.९.२१.२२.२९, ○ विरह कौ अंगः २०,२१,२२,२४,२५,२६,२७,,२९,४०,४१, ○ पद संख्याः १,५,११,१६,२४,२७,३३,५५,५७,५८
2	○ **जायसी ग्रंथावली (सं.आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)** ○ पद्मावत (गोरा बादल युद्ध खंड) व्याख्या हेतु ।, ○ जायसी का कृतित्व, ○ पद्मावतः संक्षिप्त परिचय, ○ गोरा बादल युद्ध खंडः वैशिष्टय, ○ जायसी की काव्य भाषा
3	○ **भ्रमरगीत सार- सूरदास (सं.आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)** ○ **व्याख्या हेतु पद** **संख्याः**१,२,३,४,७,८,११,२३,२४,२५,२९,३४,३६,४२,४५,५२,५६,६२,६४,६८,७०,७५,८५,८९,९५,९९,१००,११४,११६, तथा १३२ ○ सूर का कृतित्व,भ्रमरगीत : उद्भव-नामकर्ण, ○ भ्रमरगीत काव्य परम्परा,भ्रमरगीत वैशिष्ट्य,सूर की काव्य भाषा
4	○ **तुलसीदास** कवितावाली उत्तरकाड ○ तुलसीदास का कृतित्व, ○ कवितावलीः उत्तर कांड, ○ कवितावलीकी विशेषताएँ , ○ उत्तर कांडकी विशेषताएँ ○ कवितावली के चुने हुए २५ छंदों की व्याख्या
५	○ बिहारी : **श्री जगन्नाथदास रत्नाकर** (चुने हुए ३० दोहे) **संख्याः**१,६,११,१३,१८,२३,२४,२५,३१,३२,३४,३८,४१,४२,४३,५२,६०,६२,६७,६९,७३,७५,७६,७८,८५,९४,९५,९८,१०३,१६२,
६	○ **देव** : दीपशिखा- सं.विद्यानिवास मिश्र **संख्याः २,८,११,१६,२१,२२,२८,३८,४२,४७,४८,५०,५३,५६,५७,६३,६६,७४,८३,८६,९०,१०४,१०८,११५.**
७	○ **घनानंद** : घनानंद कवित्त-सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (चुने हुए २५ सवैये और कवित्त) **संख्याः १,२,३,५,८,९,१०,११,१३,१५,१७,१८,२३,२९,३३,३७,४८,५०,६३,७०,७७,८६,९३,१०५,१०९.**
८	**O पद्माकर** : (जगद्विनोद) पद्माकर ग्रंथावली-सं विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (चुने हुए २५ सवैये और कवित्त) **संख्याः** **७,८,१३,१४,१७,३६,५३,१०९,१६९,१८६,२०७,२४८,३८०,३८९,४०६,४१६,४२९,४३४,४४७,४५२,४६४,४९२,५०३,५०९,५७०,**

सन्दर्भ ग्रंथ :

○ कबीर - पं.हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकशन, दिल्ली ।

○ कबीर मीमांसा- डॉ.रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती इलाहाबाद ।

○ जायसी ग्रन्थावली - सं. आ. रामचन्द्रशुक्ल नागरीप्रचारिणीसभा काशी ।

○ सूरदास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचारिणीसभा काशी ।

○ भक्ति आंदोलन और सूरदास - डॉ.मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन दिल्ली ।

- गोस्वामी तुलसीदास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणीसभा काशी
- कबीर और तुलसी के काव्य की अन्तर्वस्तु - डॉ. दयाशंकर, पार्श्व प्रकाशन, अहमदावाद ।
- मध्यकालीन हिन्दी काव्य-सं. डॉ.दिलीप मेहरा, ज्ञान प्रकाशन, कानपुर ।
- हिन्दी साहित्य का आदिकाल-हजारी प्रसाद द्विवेदी-राजकमल प्रकाशन दिल्ली ।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास-श्री रामचन्द्र शुक्ल-नागरी प्रचारिणीसभा काशी ।
- भक्तिकाव्यः पुर्नपाठ डॉ. दयाशंकर,अनुज्ञा बुक्स-दिल्ली ।
- बिहारी-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय प्रकाशन, वाराणसी ।
- देव और उनकी कविता, भाग-१,२ डॉ. नगेन्द्र ।
- रीतिकालीन कवियों की प्रेमव्यंजना- डॉ. बच्चन सिंह ।
- घनानंद - डॉ. किशोरीलाल, साहित्य भवन प्रा.लि. इलाहाबाद ।
- मध्यकालीन हिंदी कविता - दिलीप मेहरा - ज्ञान प्रकाशन, कानपुर

  - अंक विभाजन
  - 1. व्याख्या 2x10=20
  - 2. आलोचनात्मक प्रश्न 1x20=20
  - 3. आलोचनात्मक प्रश्न 1x20=20
  - 4. आलोचनात्मक प्रश्न 1x20=20
  - 5. टिप्पणी 2x10=20

  कुल 100

  - इकाई-1 - ससंदर्भ वयाख्या (सभी पुस्तक में से)
  - इकाई-2 - कबीर तथा जायसी
  - इकाई-3 - भ्रमरगीत तथा कवितावली
  - इकाई-4 - बिहारी तथा देव
  - इकाई-5 - धनानंद तथा पद्माकर

***

CORE COURSE SUBJECT	HINDI	M.A. PREVIOUS (PART-I) EXTERNAL
MAPEHIN402	आधुनिक गद्य साहित्य,कथा साहित्य ,जीवनी ,निबंध ,नाटक	

- आधुनिक हिन्दी नाटक की विकास यात्रा
- पूर्व प्रसाद युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर, स्वातत्र्योत्तर नाटक

1. चन्द्रगुप्त (नाटक)
2. कर्मभूमि (उपन्यास)
3. कालापादरी (उपन्यास)
4. कहानियाँ- चुनी हुई उसने कहा था, कफन, चीफ की दावत, सलाम
5. जीवनी ○ जीवनी का अर्थ, विकासयात्रा, विशेषताएँ , ○ कलम का सिपाही - अमृतराय
6. निबंध ○ परिभाषा - विकास - विशेषताएँ
   नाखून क्यों बढ़ते हैं - व्याख्या एवं वैशिष्ट्य
   करुणा - व्याख्या एवं निबंध का वैशिष्ट्य
   विकलांग श्रद्धा का दौर - व्याख्या- वैशिष्ट्य

इकाई-1 - चन्द्रगुप्त तथा आधुनिक नाटक की विकास यात्रा
इकाई-2 - कर्मभूमि तथा हिन्दी उपन्यास की विकास यात्रा
इकाई-3 - काला पादरी (उपन्यास)
इकाई-4 - जीवनी (कलमका सिपाही)
इकाई-5 - निबंध और कहानी

अंक विभाजन	प्र01 -	आलोचनात्मक प्रश्न	1x20=20
	प्र02 -	आलोचनात्मक प्रश्न	1x20=20
	प्र03 -	आलोचनात्मक प्रश्न	1x20=20
	प्र04 -	आलोचनात्मक प्रश्न	1x20=20
	प्र05 -	टिप्पणी/ व्याख्या	2x10=20
		कुल	100

संदर्भ ग्रन्थ

- प्रसाद के नाटक - सर्जनात्मक धरातल और भाषिक चेतना- गोविंद चातक।
- प्रसाद के नाटक तथा रंगमंच - सुभाषपाल मल्होत्रा - राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली ।
- हिन्दी निबंधकार - जयनाथ नलिन ।
- प्रसाद के नाटक में नारी पात्र-मुकुलरानी सिंह- जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
- प्रेमचंद और उनका युग-डॉ. रामविलाश शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
- हजारी प्रसाद द्विवेदी : सर्जक और चिंतक- डॉ. मृदुला पारीक, पार्श्व प्रकाशन अहमदाबाद ।
- हिन्दी उपन्यास का इतिहास - डॉ. गोपालराय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
- कहानी आन्दोलन और प्रवृत्तियाँ - डॉ. राजेन्द्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।

CORE COURSE SUBJECT	HINDI	M.A. PREVIOUS (PART-I) EXTERNAL
MAPEHIN403	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा	

Unit	Description in detail
इकाई-१	**भाषा और भाषाविज्ञान** ○ भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, ○ भाषा-संरचना और भाषिक प्रकार्य,भाषा की विशेषताएँ या प्रवृत्तियाँ, ○ भाषाविज्ञानः स्वरुप एवं व्याप्ति,भाषाविज्ञानः अध्ययन की दिशाएँ
इकाई-२	**स्वन प्रक्रिया** ○ स्वन की अवधारणा,स्वनों का वर्गीकरण, ○ वागवयव और उनके कार्य,स्वनिम की अवधारणा और भेद
इकाई-३	**व्याकरण** ○ रूप प्रक्रिया का स्वरूप,रूपिम की अवधारणा और भेद ○ वाक्य की अवधारणा और भेद,अभिहितान्वयवाद और अन्वितिभिधानवाद
इकाई-४	**अर्थविज्ञान** ○ अर्थ की अवधारणा,शब्द और अर्थ का संबंध ○ अर्थपरिवर्तन की दिशाएँ,अर्थ परिवर्तन के कारण

इकाई-1 - भाषा और भाषाविज्ञान

इकाई-2 - स्वन प्रक्रिया

इकाई-3 - व्याकरण तथा हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

इकाई-4 - अर्थविज्ञान या हिन्दी का भौगोलिक विस्तार

इकाई-5 - हिन्दी का भाषिक स्वरुप तथा हिन्दी के विविध रुप एवं देवनागरी लिपी

अंक विभाजन

1. आलोचनात्मक प्रश्न - 1x20=20
2. आलोचनात्मक प्रश्न - 1x20=20
3. आलोचनात्मक प्रश्न - 1x20=20
4. आलोचनात्मक प्रश्न - 1x20=20
5. टिप्पणी - 2x10=20

कुल 100

संन्दर्भ ग्रन्थ

- भाषा विज्ञान की भूमिका-डॉ. देवेद्रनाथ शर्मा, रामकृष्ण प्रकाशन दिल्ली ।
- हिन्दी भाषा और भाषा विज्ञान- डॉ. अशोक शाह, अमर प्रकाशन, सदर बाज़ार, मथुरा ।
- भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा का स्वरुप व विकास-देवेन्द्र प्रसाद सिंह, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- हिन्दी भाषा- डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल इलाहाबाद ।
- हिन्दी भाषा का इतिहास - डॉ. धीरेन्द्र वर्मा ।
- हिन्दी भाषा : उद्‌भव एवं विकास - डॉ. हरदेव बाहरी ।

ELECTIVE COURSE SUBJECT	HINDI	M.A. PREVIOUS (PART-I) EXTERNAL
MAPEHIN404	दृश्य श्राव्य माध्यम लेखनः इतिहास,संचार मध्यम और टी.वी	

इकाई-1 माध्यमोपयोगी लेखन एवं प्रमुख प्रकार तथा रेडियो नाटक की प्रविधि

मुद्रण माध्यम, रेडियो, टी.वी, फिल्म

-रेडियो नाटक लेखन-प्रक्रिया, श्रव्य की प्रधानता

-ध्वनि की प्रधानता, उच्चारण की स्पष्टता, -भाषा की सहजता

इकाई-2 रंग नाटक तथा रेडियो नाटक के प्रमुख भेद, साहित्य विधाओं की दृश्य-श्राव्य रूपांतर कला

-पाठ्य नाटक और रेडियो नाटक का अंतर

-रेडियो धारावाहिक, रेडियो रूपांतरण, संगीत रूपक

-आलेख रूपक (डॉक्यूमेंन्ट्री फीचर)

इकाई-3 टी.वी. नाटक की तकनीक, टेलीड्रामा, टेलीफिल्म डाक्युड्रामा तथा टी.वी. धारावाहिक

इकाई-4 इलेक्ट्रानिक्स मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन सम्पादन एवं प्रस्तुतीकरण की प्रविधि

इकाई-5 विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि एवं विज्ञापनों की भाषा हिन्दी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतिया।

अंक विभाजन

प्र01 आलोचनात्मक प्रश्न - 1x20=20

प्र-02 आलोचनात्मक प्रश्न - 1x20=20

प्र-03 आलोचनात्मक प्रश्न - 1x20=20

प्र-04 आलोचनात्मक प्रश्न - 1x20=20

प्र-05 टिप्पणी - 2x10=20

कुल 100

संदर्भ ग्रन्थः

- दृश्य-श्रव्य माध्यम : सिद्धांत और व्यवहार- सं. डॉ. मदन मोहन शर्मा, स.प. विश्वविद्यालय वल्लभ विद्यानगर ।
- दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन- डॉ. राजेन्द्र मिश्र ।
- दृश्य श्रव्य माध्यम : विविध परिप्रेक्ष्य- डॉ. दिलीप मेहरा, अमर प्रकाशन मथुरा ।
- दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन : राजेन्द्र मिश्र
- समकानीन भारत एवं जनसंचार माध्यम - सुधीर सोनी
-

ELECTIVE COURSE SUBJECT	HINDI	M.A. PREVIOUS (PART-I) EXTERNAL
MAPEHIN405	लोक साहित्य	

इकाई-1 लोकः अवधारणा, लोकः जन एवं ग्राम, लोकवार्ताः अवधारणा, लोकवार्ताः परिव्याप्ति, लोक संस्कृतिः अवधारणा, तत्त्व, वैशिष्ठ्य लोक संस्कृति एवं शिष्ट संस्कृति में अंतर।

इकाई-2 लोक साहित्यः शाब्दिक अर्थ, परिभाषा, वैशिष्ठ्य, क्षेत्र, लोक साहित्य विषयक अध्यन कार्यः संक्षिप्त परिचय।

इकाई-3 हिन्दी लोक साहित्य के पाश्चात्य अध्येता हिन्दी लोक साहित्य के भारतीय अध्येता। पंडित रामनरेश त्रिपाठी, देवेंद्र सत्यार्थी, डॉ सत्येंद्र, कृष्णदेव उपाध्याय

इकाई-4 लोकगीत: स्वरुप- प्रकार, लोकगाथाः स्वरुप (ढोलमारु, गोपीचंद, भरथरी, लोरीकायन)

इकाई-5 लोककथाः स्वरुप एवं उत्पत्ति- सिद्धांत लोकनाट्यः (भवाई, माच, तमाशा, नौटंकी)

अंक विभाजनः

1.	आलोचनात्मक प्रश्न-	1x20=20
2.	आलोचनात्मक प्रश्न-	1x20=20
3.	आलोचनात्मक प्रश्न-	1x20=20
4.	आलोचनात्मक प्रश्न-	1x20=20
5.	टिप्पणी	2x10=20
	कुल	100

संदर्भ ग्रन्थः

- लोक साहित्य : सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. श्रीराम शर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा ।
- लोक साहित्य और संस्कृति- दिनेश्वर प्रसाद, जयभारती प्रकाशन इलाहाबाद ।
- भारत में लोक साहित्य- डॉ. कृष्णदेव उपाद्याय, साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद ।
- लोक साहित्य की भूमिका - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, प्रा.लिमिटेड, इलाहाबाद ।
- प्रतिनिधि भारतीय लोकरंग शैलियाँ - डॉ. मदनमोहन शर्मा, स.प.विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर ।
- लोकगीतः स्वरूप एवं प्रकार - डॉ. हसमुख परमार, ब्रिक्स पब्लिकेशन, वल्लभविद्यानगर ।

SARDAR PATEL UNIVERSITY
FACULTY OF ARTS
M.A (HINDI) EXTERNAL PROGRAMME
M.A FINAL (PART-II) EXTERNAL
(WITH EFFECT FROM: JUNE 2019)
STRUCTURE AND SYLLABUS BASED ON UGC GUIDELINES
M.A. HINDI-EXTERNAL

Course Type	Course Code	Course Title	Exam Duration in Hrs.	Theory	Passing/ Total
Core Courses-3	MAFEHIN501	भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना	03	Theory	40/100
	MAFEHIN502	हिन्दी साहित्य का इतिहास	03	Theory	40/100
	MAFEHIN503	आधुनिक हिन्दी काव्य	03	Theory	40/100
Elective Courses-2	MAFEHIN504	प्रयोजनमूलक हिन्दी	03	Theory	40/100
	MAFEHIN505	साहित्य, समाज और पर्यावरण	03	Theory	40/100
Total					**200/500**

Note:- MA = Master of Arts, F = Final(Part-II), E = External, HIN = Subject, 505= e.g Course Paper Number.

CORE COURSE SUBJECT	HINDI	M.A. FINAL (PART-II) EXTERNAL
MAFEHIN501	भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना	

UNIT	DESCRIPTION IN DETAIL	WEIGHTAGE
युनिट - 1	**रस सिद्धांत, ध्वनि सिद्धांत और अलंकार सिद्धांत तथा वक्रोक्ति सिद्धांत** • रस का अर्थ, स्वरूप, रस के अंग, रस निष्पत्ति। • ध्वनि सिद्धांत, ध्वनि का अर्थ एवं परिभाषा, ध्वनि के प्रमुख भेद • अलंकार अर्थ और परिभाषा, अलंकार के भेद, अलंकार का वर्गीकरण। • वक्रोक्ति का अर्थ एवं परिभाषा, वक्रोक्ति के भेद	25%
युनिट - 2	**हिन्दी कवि आचार्यो का काव्यशास्त्रीय चिंतन और आधुनिक हिन्दी आलोचना का विकास।** • लक्षण काव्य परम्परा का विकास • लक्षण काव्य के भेद सर्वांग निरूपण, विशिष्टांग निरूपण • आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना • पं. हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना • डॉ. रामविलास शर्मा की आलोचना **पाश्चात्य काव्यशास्त्र**	25%
युनिट - 3	**प्लेटो, अरस्तु, लोंजाइनस के काव्यसिद्धांत** **वड्र्सवर्थ, कालरिज, मैथ्यू आर्नेल्ड के काव्य सिद्दांत**	25%
युनिट - 4	**टी.एस. इलियट, आइ.ए. रिचर्सड के प्रमुख सिद्धांत** स्वच्छन्दतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, शैली विज्ञान, अस्तितत्ववाद, आभिजात्यवाद	25%

❖ संदर्भग्रंथ

1. भारतीय काव्यशास्त्र- डॉ. सत्यदेव चौधरी
2. हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास- डॉ. भगीरथ मिश्रा
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र- डॉ. शान्तिस्वरूप गुप्त
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र- अधुनातन संदर्भ- डॉ. सत्यदेव मिश्र

CORE COURSE SUBJECT	HINDI	M.A. FINAL (PART-II) EXTERNAL
MAFEHIN502	हिन्दी साहित्य का इतिहास	

UNIT	DESCRIPTION IN DETAIL	WEIGHTAGE
युनिट - 1	**इतिहास लेखन की परंपरा, पुनर्लेखन की समस्याएँ, आदिकाल काल विभाजन और नामकरण, आदिकाल की पृष्ठभूमि, आदिकाल का साहित्य एवं प्रवृत्तियाँ, भक्ति आंदोलन का विकास, संत साहित्यके प्रमुख कवि और काव्य प्रवृत्तियाँ, प्रेममार्गी प्रमुखकवि और काव्य प्रवृत्तियाँ।**	25%
युनिट - 2	**रामभक्ति शाखा के प्रमुख कवि और काव्य प्रवृत्तियाँ,** कृष्णभक्ति शाखा के प्रमुख कवि और काव्य प्रवृत्तियाँ रामभक्ति शाखा और कृष्णभक्ति शाखा में अंतर, रीतिकाल का कालनिर्धारण और नामकरण, रीतिबद्ध काव्यधारा के प्रमुख कवि और काव्य-प्रवृत्तियाँ, रीति मुक्त काव्यधारा के प्रमुखकवि और काव्य प्रवृत्तियाँ।	25%
युनिट - 3	पुनर्जागरण, भारतेन्दुयुग, द्विवेदी युग- प्रमुख साहित्यकार, विशेषताएँ। छायावादः प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ एवं विशेषताएँ	25%
युनिट - 4	**छायावादोत्तर युगः प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालिन कविता, प्रमुख रचनाकार एवं विशेषताएँ। हिन्दी गद्य की प्रमुख विशेषताएँ- नाटक, निबंध, कथा साहित्य, आलोचना का विकास।**	25%

❖ संदर्भग्रंथ

1. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास- बच्चन सिंह
2. आधुनिक गद्य- डॉ. स्वरूप चतुर्वेदी
3. आधुनिक गद्य का स्वरुप- डॉ. रामचंद्र तिवारी
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास- डॉ. नगेन्द्र
6. हिन्दी साहित्य की भूमिका- पं. हजारी प्रसाद द्विवेदी

CORE COURSE SUBJECT	HINDI	M.A. FINAL (PART-II) EXTERNAL
MAFEHIN503	आधुनिक हिन्दी काव्य	

UNIT	DESCRIPTION IN DETAIL	WEIGHTAGE
युनिट - 1	1. **कामायनी- जयशंकर प्रसाद** कामायनी का काव्यसौंदर्य, कामायनी का काव्यरुप, कामायनी के प्रमुख पात्र तथा चिन्ता एवं श्रद्धा सर्ग की व्याख्या एवं विशेषता। 2. **सरोजस्मृति एवं कुकुरमुत्ता- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला** निराला का काव्यसंसार, निराला की काव्यगत विशेषताएँ, व्याख्या एवं समीक्षा, कविता संबंधी प्रश्न।	25%
युनिट - 2	1. **नौकाविहार, मौननिमंत्रण, परिवर्तन-सुमित्रानंदन पंत** पंत का काव्यसंसार, काव्यगत विशेषताएँ, समीक्षा, व्याख्या, प्रश्न 2. **जो तुम आ जाते एक बार शलभ मैं शापमय वर दूँ,** मैं नीर भरी दुःख की बदली, टूट गया वह दर्पण निर्मम, जाग तुझको दूर जाना- महादेवी वर्मा महादेवी वर्मा की काव्य कृतिया, काव्यगत विशेषताएँ, कविता की व्याख्या ,समीक्षा ।	25%
युनिट - 3	1. **नदी के द्वीप, असाध्यबीणा- अज्ञेय** **अज्ञेय काव्यगत विशेषताएँ, व्याख्या, समीक्षा** 2. **अंधेरे में - मुक्तिबोध** **काव्यगत विशेषता, परिचय, समीक्षा, व्याख्या।**	25%
युनिट - 4	1. बादल को घिरते देखा, सिन्दूर तिलकित भाल, प्रेत का बयान, खुरदरे पैर, तेरी खोपडी के अंदर - नागार्जुन। नागार्जुन का परिचय, काव्यगत विशेषता, कविता की समीक्षा तथा व्याख्या। 2. धूमिल की चुनी हुई कविताएँ १. भाषाकी रात २. मोचीराम ३. रोटी और संसद	25%

❖ **संदर्भग्रंथ**

1. कविता के प्रतिमान- डॉ. नामवरसिंह
2. अज्ञेयः एक अध्ययन- डॉ. भोलाभाई पटेल
3. नागार्जुन का काव्य- डॉ. अजय तिवारी
4. नई कविता का साक्ष्य- डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
5. प्रसाद साहित्य- डॉ. प्रेमशंकर तिवारी
6. सुमित्रानंदन पंत- पं. नन्ददुलाई बाजपेयी
7. महीयसी महादेवी- डॉ. गंगा प्रसाद पाण्डेय
8. निराला की साहित्य साधना- रामविलास शर्मा

CORE COURSE SUBJECT	HINDI	M.A. FINAL (PART-II) EXTERNAL
MAFEHIN504	प्रयोजनमूलक हिन्दी	

UNIT	DESCRIPTION IN DETAIL	WEIGHTAGE
युनिट - 1	प्रयोजनमूलक हिन्दी- अवधारणा, स्वरूप, कार्यक्षेत्र, कार्यालयी हिन्दी का स्वरूप और उसका व्यवहार क्षेत्र।	25%
युनिट - 2	पारिभाषिक शब्दावलीः स्वरुप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावलीः निर्माण-प्रक्रिया।	25%
युनिट - 3	पत्रकारिताः स्वरूप एवं इतिहास, पत्रकारिता के प्रकार, पत्रकारिता की उपयोगिता, सम्पादनः कला स्वरुप, सम्पादन के तत्व, प्रक्रिया, प्रमुख प्रेस कानून।	25%
युनिट - 4	कम्प्यूटर परिचय – कम्प्यूटर की परिभाषा , कम्प्यूटर के अंग, कम्प्यूटर की पारिभाषिक शब्दावली	25%

❖ **संदर्भग्रंथ**

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी- डॉ. विजय कुलश्रेष्ठ
2. कार्यालयी हिन्दी- भोलानाथ तिवारी
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध आयाम- डॉ. माया सिंह।

CORE COURSE SUBJECT	HINDI	M.A. FINAL (PART-II) EXTERNAL
MAFEHIN505	साहित्य, समाज और पर्यावरण	

UNIT	DESCRIPTION IN DETAIL	WEIGHTAGE
युनिट - 1	साहित्य की अवधारणा , साहित्य की विशेषताए	25%
युनिट - 2	समाज की अवधारणा, साहित्य और समाज का संबंध, साहित्य (का उपन्यास ,कहानी) में समाज की अभि व्यकित	25%
युनिट - 3	पर्यावरण का अर्थ , पर्यावरण और साहित्य का संबंध, साहित्य में पर्यावरण की अभिव्यकित	25%
युनिट - 4	समाज की साहित्य में भूमिका , पर्यावरणकी साहित्य में भूमिका , पर्यावरण की चुनोतियाँ, पर्यावरण प्रदुषण	25%

❖ **संदर्भग्रंथ**

साहित्य का समाजशास्त्र – डॉ. नगेन्द्र

साहित्य की समाजशास्त्रीय भूमिका – डॉ. मैनेजर पांडेय

साहित्य का समाजशास्त्र – डॉ. निर्मला जैन

पर्यावरण और मनुष्य –इरफ़ान हबीब

कथासाहित्य में परिस्थितिकीय अध्ययन